

विश्व आत्मकेंद्रित जागरूकता दिवस

- ऑटिज़्म - जिसे ऑटिज़्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर भी कहा जाता है - मस्तिष्क के विकास से संबंधित स्थितियों का एक विविध समूह है।
- लगभग 100 में से 1 बच्चे को ऑटिज़्म है।
- बचपन में लक्षणों का पता लगाया जा सकता है, लेकिन ऑटिज़्म का निदान अक्सर बहुत बाद तक नहीं किया जाता है।

यहां उन गतिविधियों की सूची है जो कई ऑटिस्टिक बच्चों के लिए फायदेमंद होती हैं

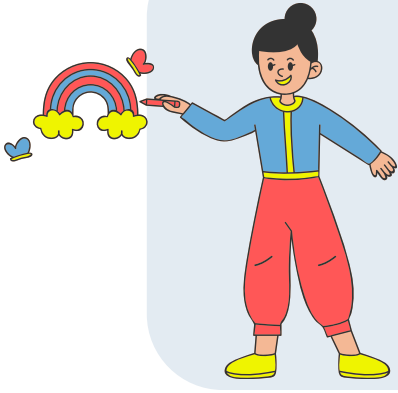
व्यावहारिक सीखने की गतिविधि:

न्यूरोडाइवर्स बच्चे अक्सर व्यावहारिक सीखने की गतिविधियों से लाभान्वित होते हैं, जैसे मॉडल बनाना, कला बनाना, या विज्ञान प्रयोग करना। ये गतिविधियाँ उन्हें मज़ेदार और आकर्षक तरीके से जानकारी को समझने और बनाए रखने में मदद कर सकती हैं



दृश्य सहायता:

आरेख, चार्ट और चित्र, न्यूरोडाइवर्स बच्चों के लिए सहायक हो सकते हैं जिन्हें मौखिक निर्देशों को संसाधित करने में कठिनाई हो सकती है। दृश्य उन्हें महत्वपूर्ण जानकारी को बेहतर ढंग से समझने और याद रखने में मदद कर सकते हैं।



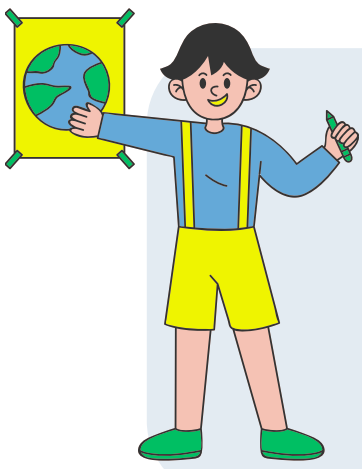
ग्रहणशील खेल:

ऐसी गतिविधियाँ जो इंद्रियों को संलग्न करती हैं जैसे कि पानी, रेत, आटा, या विभिन्न बनावट की वस्तुओं से भरे संवेदी डिब्बे के साथ खेलना बहुत शांत और आनंददायक हो सकता है।



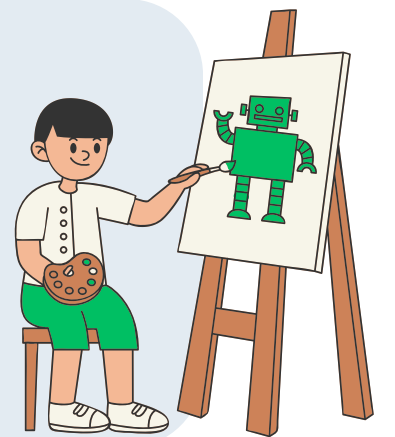
संरचित दिनचर्या:

संरचित दिनचर्या बनाने और उसका पालन करने से ऑटिस्टिक बच्चों के लिए पूर्वानुमेयता प्रदान करने और चिंता को कम करने में मदद मिल सकती है। इसमें स्पष्ट दृश्य संकेतों के साथ दैनिक कार्यक्रम शामिल हो सकते हैं।



टैकनोलजी:

प्रौद्योगिकी न्यूरोडाइवर्स बच्चों के लिए एक शक्तिशाली उपकरण हो सकती है, जो इंटरैक्टिव सीखने के अनुभव और व्यक्तिगत प्रतिक्रिया प्रदान करती है। विशिष्ट शिक्षण आवश्यकताओं के लिए डिज़ाइन किए गए ऐप्स और सॉफ्टवेयर विशेष रूप से सहायक हो सकते हैं।



न्यूरोडाइवर्स बच्चे अनोखे तरीकों से सीखते हैं, और सही दृष्टिकोण के साथ, सीखना उनके लिए मजेदार और आकर्षक हो सकता है।